

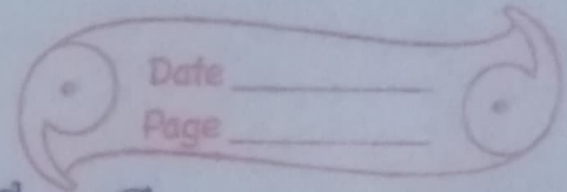
Q "अहिंसा का दूत" का आशंश अपने भाषा में

उ. यह पाठ गांधी जी के बचपन के बारे में है

→ गांधी जी का बचपन में पैड पर चढ़ने का बड़ा शौक था, पर उनके पिता उन्हें पैड पर चढ़ने के लिए मना करते थे। एक दिन गांधी जी छुप कर पैड पर चढ़ा और उनके बड़े भाई ने उन्हें देख लिया।

→ भाई ने गांधी जी को तमाचा मारा। गांधी जी अपने माँ के पास जाकर भाई की शिकायत, पर उनके माँ ने कहा तुम भी उसे एक तमाचा मार दो।

→ गांधी उदास होकर बोला - "माँ वे मुझे बड़े में उन्हें कैसे मार सकता हूँ। उसे पता चलता की गांधी जी का बचपन से ही अहिंसा के पुजारी थे। हमें भी उनकी तरह हिंसा का



बढ़ना हिंसा से नहीं अहिंसा से करना चाहिए।

